सम्पादकीय

विश्वगुरुदीप आश्रम शोध संस्थान द्वारा प्रकाशित मासिक शोधपत्रिका का वर्ष 2025 का नवम् अंक आपके करकमलों में अर्पित करते हुए अत्यधिक हर्ष का अनुभव हो रहा है। भारतीय धर्म-संस्कृति के शोधलेखों का यह संग्रह विद्वानों द्वारा सराहा जा रहा है। यह अंक नव संवत्सर विशेषांक के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है। विद्वानों द्वारा नियमित भेजे जा रहे शोधलेख हमारा मनोबल बढ़ा रहे हैं व पत्रिका के महत्त्व को भी आलोकित कर रहे हैं। पूर्व अंकों में सभी उच्चस्तरीय विद्वानों के लेख प्रकाशित हुए हैं।

इसमें सर्वप्रथम महामण्डलेश्वर स्वामी महेश्वरानन्दपुरीजी द्वारा लिखित YOGA SUTRAS OF PATANJALI शोध लेख में पातंजलयोगसूत्र के प्रतिपाद्य की आधुनिक सन्दर्भ में उपयोगिता दर्शायी गयी है। डॉ. वीणा छंगाणी द्वारा लिखित **हिन्दी साहित्य की पाण्डुलिपियाँ: पारम्परिक धरोहर एवं आधुनिक- विमर्श** लेख में स्पष्ट किया है कि हिन्दी साहित्य की समृद्धि को जानने के लिए पाण्डुलिपि के इतिहास व परम्परा को जानना आवश्यक है। डॉ. स्वाति शर्मा द्वारा लिखित **पुराण पाण्डुलिपि:परम्परा और आधुनिकता का संगम "** लेख में पाण्डुलिपियों के माध्यम से प्राचीनता को आधुनिकता से जोड़ते हुए पुराण पाण्डुलिपियों की उपयोगिता को बताया है। डॉ. शेफाली भागोतिया द्वारा लिखित " **पांण्डुलिपि और भूगोल : इतिहास, संस्कृति एवं स्थान का दर्पण"**लेख में पाण्डुलिपि शोध कार्य में आने वाली समस्यायों व जटिलताओं के बारे में बताया है। डॉ. गरिमा मिश्रा द्वारा लिखित **"आधुनिक प्रबन्धन सिद्धान्तों में वैदिक विरासत और दर्शन का प्रासंगिकता एवं अनुप्रयोग"** लेख में वैदिक दर्शन की प्रमुख अवधारणाओं एवं आधुनिक समय में वैदिक सिद्धान्तों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला है। डॉ. वंदना गजराज द्वारा लिखित **"पांण्डुलिपि कला में नारी पात्रों का चित्रण और उनकी सांस्कृतिक भूमिका** लेख में पाण्डुलिपियों में नारी पात्रों के चित्रण, शक्ति, भक्ति एवं उनकी सामाजिक, सांस्कृतिक भूमिका का विश्लेषण किया है।

अन्त में स्व. डॉ. नारायणशास्त्री काङ्कर के **'राष्ट्रोपनिषत्'** के कतिपय पद्य प्रकाशित किये गये हैं, जो गुरुशिष्य परम्परा के गौरव को प्रदर्शित करने के साथ साथ आत्मचिन्तन की प्रेरणा प्रदान करने वाले हैं।

आशा है, सुधी पाठक इन्हें रुचिपूर्वक हृदयंगम करने में अपना उत्साह पूर्ववत् बनाये रखेंगे।

शुभकामनाओं सहित....

-डॉ. सुरेन्द्र कुमार शर्मा